विविधताओं से परिपूर्ण श्योपुर के विकास की असीम संभावनाएं : डीएम

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 25 मई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि श्योपुर जिला विविधताओं से परिपूर्ण है, अपनी संस्कृति, प्रकृति से धन-धान्य इस जिले के विकास की संभावनाएं असीम है, वर्तमान में यह जिला प्रगति की ओर उत्तरोत्तर कदम बढा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ रहा है। चीता प्रोजेक्ट ने

श्योपुर जिला गठन के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

इस जिले को विश्वव्यापी पहचान दी है। 60 प्रतिशत वन संपदा से आच्छादित और राजस्थानी संस्कृति के साथ ही विजयपुर क्षेत्र में ब्रजभाषी लोक संस्कृति और कराहल की सहरिया संस्कृति इस जिले को विभिन्न आयाम प्रदान कर रही है। कूनों का नेसर्गिक सौन्दर्य प्रकृति प्रेमियों के लिए वरदान है। वे आज श्योपुर जिला गठन के 28वे स्थापना दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज श्योपुर में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं विजय शाक्य सहित मुख्य वक्ता के रूप में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों एवं गौसेवा से जुडे तथा जिला बनाओं आंदोलन संघर्ष समिति के सदस्य रहें कैलाश नारायण गुप्ता, पुरातत्वविद कैलाश पाराशर उपस्थित रहें, इसके साथ ही प्राचार्य डॉ ओपी शर्मा, बीईओ श्रीमती मधु शर्मा भी उपस्थित थे।

कॉलेज के सेमीनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि श्योपुर एक प्राचीन नगर है, इस जिले में विभिन्न संस्कृतियों का मिलन है, जो अपने आप में संपूर्णता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर इस जिले को प्रगति देने का कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने युवा शक्ति को आव्हान करते हुए कहा कि प्रकृति के संरक्षण की मुहिम में शामिल होकर अपना दायित्व निभायें, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर भू-जलस्तर में गिरावट आ रही है, इसलिए प्राकृतिक संतुलन के लिए जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपील की कि विभागीय स्तर पर तो प्रयास किये ही जा रहे है, लेकिन समुदाय स्तर पर कार्य होने से हमें सफ्लता मिलेगी, इसलिए सभी नागरिक अपने भवनों और परिसरो में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर वर्षा जल को भूमि में संग्रहित करने की पहल को आगे बढायें, इसमें खर्च भी काफी कम होता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें सबकुछ दिया है, हमारा भी दायित्व है कि हम भी प्रकृति को कुछ न कुछ जरूर दें। उन्होंने यह भी कहा कि यह धरती मनुष्य के लिए ही नही है, यहां असंख्य जीव-जंतु और पशु-पक्षी भी है, उनकी देखभाल का जिम्मा भी मनुष्यों पर है, इसलिए ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए पशुओं और पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। प्रशासन की ओर से दाना पानी अभियान चलाया गया है, जिसमें बेजुबान पक्षियों के लिए सकोरे लगाये जा रहे है, काफी लोगों ने सकोरे लगाने की पहल की है। परिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए सभी जीव-जंतुओं का संरक्षण आवश्यक है और यह हमारा मानवीय दायित्व भी है।

विकास कार्यो से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा व्याख्यान माला से पूर्व श्योपुर कॉलेज में शिक्षा विभाग द्वारा जिले में हुए विकास कार्यो पर आधारित प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया गया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई।

जिला बनाओं आंदोलन के सपने, अब हो रहे साकार : गुप्ता

मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश नारायण गुप्ता ने कहा कि 1972 से शुरू हुआ जिला बनाओं आंदोलन 25 मई 1998 को जिला बनने के साथ ही पूर्ण हुआ, उस दौर में जो सपने देखे गये थे, वो अब साकार हो रहे है। 1975 में जिला बनाओं आंदोलन के दौरान गोलीकांड में शहीद हुए स्व. जुम्मा खान, स्व. गप्पूलाल मंगल, स्व. वजीर खान, स्व. मुंशी मोहम्मद हुसैन को श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि आज जिला बनने के बाद मेडिकल कॉलेज के साथ ही ब्रॉडगेज रेलवे लाइन की सौगात मिली है, जो जिले के सतत् विकास की प्रक्रिया को आगे बढायेगी। कृषि के क्षेत्र में हम धान और गेहूं उत्पादन में अग्रणी जिलों में शुमार है। सिंचाई के क्षेत्र में जिले को आत्मनिर्भरता मिली है, एनएच-552 सहित अन्य सडको के निर्माण से आवागमन सुगम हुआ है। जिले के बडौदा क्षेत्र में डीआरडीओ की स्थापना सामरिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण सफ्लता है। 1965 में चंबल संभाग के पहले महाविद्यालय के रूप में स्थापित श्योपुर कॉलेज आज अग्रणी महाविद्यालय के रूप में काम कर रहा है तथा पॉलीटेक्निक कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज, विधि महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही विजयपुर, कराहल, बडौदा, ढोढर में महाविद्यालय संचालित है। जिला बनाओं आंदोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वे स्वयं संघर्ष समिति में शामिल रहे और 8 दिन तक ग्वालियर जेल में अन्य सत्याग्रहियों के साथ रहें। इस अवसर पर उन्होंने जिला बनाओं आंदोलन में भागीदार रहें सभी सत्याग्रहियों के प्रति अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की।

कभी काला पानी के रूप में थी पहचान, अब चीता प्रोजेक्ट से मिली वैश्विक पहचान

मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश पाराशर ने श्योपुर जिले की एतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह श्योपुर काफी प्राचीन नगर है और इसकी एक अलग ही एतिहासिक पृष्ठभूमि रही है। आजादी से पहले तक यह जिला था, मध्यप्रदेश के गठन के साथ ही मुरैना जिले में शामिल हुआ, सुदूरवर्ती इलाके में होने के कारण कभी इसे कालापानी के रूप में निरूपित किया जाता था, लेकिन आज चीता प्रोजेक्ट से श्योपुर जिले को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि जिला सभी क्षेत्रों में आगे बढ रहा है, अधोसंरचनात्मक विकास की गति तेज हुई है, आवागमन के साधन बढे है, जिले में बढते कृषि उत्पादन से आर्थिक संपन्नता आई है। वर्तमान में प्रशासन की पहल पर प्राचीन कुए एवं बावडियों का संरक्षण किया जा रहा है, श्योपुर जिला विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय द्वारा श्योपुर जिले में किये जा रहे विकास कार्यो के संदर्भ में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ ओपी शर्मा द्वारा स्वागत भाषण देते हुए श्योपुर जिले की परम्पराओं एवं संस्कृति के बारे में विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ सीमा चौकसे ने किया तथा आभार प्रदर्शन बीईओ श्रीमती मधु शर्मा ने व्यक्त किया।

सोशल मीडिया गतंव्य नही, एक माध्यम है

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म हमारी मंजिल नही और न ही गतंव्य है, यह केवल एक माध्यम है, इसका उपयोग अपनी ग्रोथ बढाने के लिए करें, अपने आप को अपडेट रखने के लिए करें और रचनात्मक कार्यो में उपयोगिता के लिए इसका उपयोग करें। अपने सकारात्मक और मानवीय पहलों को इसके माध्यम से प्रमोट करें, जिससे अन्य लोग भी प्रेरित हों और अनुसरण करते हुए जनकल्याण की भावना के साथ कार्य करें। सकारात्मक कार्यो के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए अपने अध्ययन अथवा जॉब क्षेत्र में आगे बढने के लिए कार्य किया जाये।

तीन लोगों पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 25 मई। थाना कराहल दहेज हेतु प्रताडना फरिया. माया पत्नी टीकम लोहपीटा उम्र 31 साल नि. सुल्तानपुर राजस्थान हाल नि. कराहल ने रिपोर्ट की कि दि. 04.07.24 23.05.26 के 15.30 बजे तक स्थान फरिया की ससुराल सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.) आरोपीगण टीकम , रामलाल , सौतानबाई नि.गण सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.) ने फरिया. को दहेज में 50 हजार रुपये एवं मो.सा. न लाने की बात पर से घर से निकाल दिया । दि. 23.05.26 के 16.16 बजे अप. क्र. 08/26 धारा 85 बीएनएस 1/2 दहेज एक्ट कायम कर लिया हैं।

घर गृहस्थी की बात को लेकर मारपीट : थाना चिलवानी मारपीट फरिया. गायत्री पत्नी संत यादव उम्र 55 साल नि. ग्राम डोंगरपुर थाना चिलवानी ने रिपोर्ट की कि दि. 22.05.26 के 19.00 के 19.10 बजे स्थान फरिया के घर के आंगन में ग्राम डोंगरपुर आरोपीगण पंजाब पुत्र संतू यादव , वर्षा पत्नी पंजाब यादव नि.गण सदर ने फरिया. व उसके बेटे सतीश को घर गृहस्थी की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी । दि. 23.05.26 के 18.29 बजे अप. क्र. 09/26 धारा 296 (ए), 3(5), 115 (2),351(3) बीएनएस कामय कर लिया हैं।

फोन पर बात करने की बात को लेकर मारपीट: थाना मानपुर मारपीट फरि. लोकेश पुत्र छोटूलाल बैरवा उम्र 30 साल नि. ईचनाखेडली ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 18.00 बजे स्थान फरि. के घर के पास ग्राम ईचनाखेडली आरोपीगण धनजीत बैरवा , रामचंद्र बैरवा नि.गण सदर ने फरि से कहा तुम्हारी पत्नी मेरी लडक को फोन पर बात क्यो करती है इसी बात को लेकर गन्दी- गन्दी गालियां दी मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी । दि. 23.05.26 के 20.50 बजे अप. क्र. 83/26 धारा 296(ए),3(5),115(2),351(3) बीएनएस कायम कर लिया हैं।

पुरानी रंजिश की बात पर एक ने हवाई फायर करनें का मामला कायम : थाना विजयपुर हवाई फायर किया फरि. कप्तान पुत्र छोटे जादौन उम्र 49 साल नि. काठौन थाना विजयपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 12.40 बजे स्थान फरि. के घर के बाहर ग्राम काठौन आरोपी महेन्द्र सिंह जादौन नि. सदर ने फरि को पुरानी रंजिश की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मना करने पर बंदूक से हवाई फायर किया व जान से मारने की धमकी दी । दि 23.05.26 के 17.45 बजे अप. क्र. 178/26 धारा 125,296(ए),351(3) बीएनएस कायम कर लिया हैं।

मोटर चालू करने की बात को लेकर गाली-गलौच मारपीट : थाना अगरा मारपीट फरि. लखन पुत्र लक्ष्मण मोगिया उम्र 40 साल नि. दंगपुरा थाना अगरा ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 06.00 से 06.10 बजे स्थान कैकयी आदिवासी के खेत में बने कुँआ के पास परमाल का पुरा विजयपुर आरोपीगण श्यामलाल मोगिया , लड्डू मोगिया , सोनी मोगिया , रुकमा मोगिया नि.गण पिपरवास ने फरि को पानी की मोटर चालू करने की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी । दि. 23.05.26 के 09.50 बजे अप. क्र. 28/26 धारा 296(ए),3(5),115(2),351 (3) बीएनएस कायम कर लिया हैं।

घर में रहने की बात को लेकर मारपीट : थाना आवदा मारपीट नयागांव ने रिपोर्ट की कि दि. फरि. साजन पुत्र मांगीलाल आदिवासी उम्र 21 साल नि. 23.05.26 के 19.00 से 19.10 बजे स्थान फरि. के घर बाहर आंगन आरोपी धीरज पुत्र रंजीत आदिवासी नि. सदर ने फरि. व उसकी मां को घर में रहने की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी । दि. 23.05.26 के 22.25 बजे अप. क्र. 48/26 धारा 296 (ए), 115(2),351(3) बीएनएस कायम कर लिया हैं।

करवला बंग्ले के पास बैठने की बात पर मारपीट : थाना कोतवाली मारपीट फरि. जेद अली पुत्र संजू अली उम्र 17 सॉल नि. इमामबाडा श्योपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 22.00 बजे स्थान करवला बंग्ले के पास खाली जगह आरोपीगण रहमान , फरदीन , बाली नि.गण श्योपुर ने फरि को करवला बंग्ले के पास बैठने की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मारपीट की । दि. 23.05.26 के 23.49 बजे अप. क्र. 159/26 धारा 296 (बी), 115 (2), 3 (5) बीएनएस कायम कर लिया है।

बीमारी के दौरान एक की मृत्यु मर्ग कायम : थाना कोतवाली मर्ग सूचनाकर्ता नैनसिंह पुत्र करण सिंह परिहार नि. वार्ड क्र. 02 सोदिया गली सुसनेर जिला आगर मालवा ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 07.00 बजे स्थान न्यू मेडीकल कॉलेज कोटा (राज.) मर्चरी हाउस मृतक विनोद पुत्र इंदर परिहार उम्र 22 साल नि. वार्ड क्र. 02 सोदिया गली सुसनेर जिला आगर मालवा हाल कुरेंशी मुर्गी फार्म रिलाईस पैट्रोल पंप के सामने खातौली रोड श्योपुर मृतक की मृत्यु दि. 15.05.26 के को बीमार होकर दौराने इलाज 23.05.26 को मेडीकल कॉलेज कोटा (राज.) में मृत्यु हो गई । दि. 23.05.26 के 22.07 बजे मर्ग क्र. 13/26 धार 194 बीएनएस कायम कर लिया हैं।

गाड़ी हटाने की बात पर चार ने एक को पीटा : थाना कोतवाली मारपीट फरि. ईमरान पुत्र इंसाफ खांन उम्र 35 साल नि. सलापुरा ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 22.00 बजे स्थान फरि. के घर के बाहर आरोपीगण रेयान खांन , अंजार खांन , शमशुन बानो , मोनू उर्फ समर निगण सलापुरा ने फरि. को गाडी हटाने की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मारपटी की एवं गाडी का शीशा तोडकर नुकसान कर दिया । दि. 24.05.26 के 00.41 बजे अप. क्र. 160/26 धारा 296(बी),115(2),324 (2), 3(5) बीएनएस कामय कर लिया हैं।

क्रोस मामला कायम : थाना कोतवाली मारपीट फरि रेयान पुत्र अंजार खांन उम्र 22 साल नि. सलापुरा ने रिपोर्ट की कि दि. 23.05.26 के 22.00 बजे स्थान फरि. के घर के बाहर आंगन आरोपीगण ईमरान खांन , आदिल खांन , अयान खांन , सोनी बानो नि.गण सदर ने फरि को गाडी हटान की बात को लेकर गन्दी गन्दी गालियां दी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी । दि. 24.05.26 के 01.18 बजे अप. क्र. 161/26 धारा 296(बी),115(2),351 (3), 3(5) बीएनएस कायम कर लिया हैं।

गसवानी में कलश यात्रा, जल संवाद का आयोजन

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 25 मई। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद के निर्देशन में जनपद पंचायत विजयपुर अंतर्गत ग्राम गसवानी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलश यात्रा एवं जल संवाद का आयोजन किया गया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अंतर्गत संचालित नवांकुर संस्था कौशिकी सोशल वेलफेयर एंड एनवायरमेंट सोसाइटी ग्राम गसवानी के तत्वाधान में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान जनपद सीईओ विजयपुर दीपक धाकड, सब इंजीनियर श्री गुप्ता, मनीष राजौरिया, राकेश जाटव, सरपंच प्रतिनिधि अमित तिवारी, संस्था सचिव दिलीप तिवारी आदि उपस्थित रहें।

इस अवसर पर बड़े मंदिर से कोठारी वाले हनुमान मंदिर तक कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जल संवाद कार्यक्रम में सीईओ जनपद श्री धाकड ने कहा कि जल ही जीवन है जल नहीं तो कल नहीं, इसलिए सभी ग्रामीण जल संरक्षण की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से वर्षाजल का संग्रहण किया जायें। इस अवसर पर एनआरएलएम के ब्लॉक समन्वयक बृजेश शर्मा द्वारा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाना ऐतिहासिक

भोपाल, 25 मई. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने और उन्हें ऑनलाइन दर्ज करने का कार्य ऐतिहासिक है तथा मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड देश का श्रेष्ठ वक्फ बोर्ड बनकर उभरा है.

मुख्यमंत्री सोमवार को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर 849 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की गई. उन्होंने कहा कि प्रदेश में वक्फ संपत्तियों को ऑनलाइन करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने के कारण मध्यप्रदेश को स्कॉच अवार्ड प्राप्त हुआ है. उम्मीद पोर्टल के माध्यम से सभी वक्फ संपत्तियां ऑनलाइन दर्ज की गई हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और अतिक्रमण रोकने में सफलता मिली है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा लागू नए वक्फ कानूनों से वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है तथा वक्फ बोर्ड की आय में वृद्धि के अवसर बने हैं. उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वक्फ सुधारों के क्षेत्र में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है. उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम और भारत-पाक युद्ध के वीर सैनिक कैप्टन हमीद का स्मरण करते हुए उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि नए वक्फ भवन का नाम डॉ कलाम के नाम पर रखा जाएगा.

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने कहा कि 'पढ़ो-पढ़ाओ और राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनो' योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है . उन्होंने बताया कि नए कानूनों और पारदर्शी व्यवस्था के कारण वक्फ बोर्ड की आय में वृद्धि हुई है तथा गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहायता दी जा रही है . कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी फरजाना गजाल, शहर काजी मुस्ताक अली नदमी, असलम भाई सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे .

अब स्कूलों में चलेगी अभिभावकों की मर्जी

सिंगल मैनेजमेंट कमेटी में पैरेंट्स को 75% और महिलाओं को मिला आधा हक

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 25 मई. प्रदेश के स्कूलों में अब एक ऐसी कमेटी बनाई जाएगी, जिसमें 75 प्रतिशत सदस्य विद्यार्थियों के माता-पिता या उनके अभिभावक होंगे. वहीं इस कमेटी में 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की होगी. बता दें राज्य सरकार ने सभी स्कूलों के लिए स्कूल मैनेजमेंट कमेटी यानी एसएमसी की नई गाइडलाइंस 2026 को लागू करने का निर्देश दिया है.

जिसके तहत लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिये हैं. जिसके बाद अब स्कूलों के प्रबंधन और फैसलों में अभिभावकों की भूमिका सबसे बड़ी होगी.. बता दें केंद्र सरकार के बदले हुए समग्र शिक्षा फ्रेमवर्क के आधार पर जारी की गई इस गाइडलाइंस के मुताबिक अब हर स्कूल में केवल एक ही सिंगल एसएमसी काम करेगी. जिसके तहत अब नई कमेटी पहले से चल रही अलग-अलग कमेटियों की जगह लेगी. बता दें इस नई व्यवस्था में समाज के हर वर्ग को शामिल करने का पूरा ध्यान रखा गया है. कमेटी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग वंचित समूहों और दिव्यांग बच्चों के माता पिता को भी अनिवार्य रूप से प्रतिनिधित्व दिया जाएगा.

नए नियमों के अनुसार सभी स्कूलों को नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर इस कमेटी का गठन करना होगा. वहीं स्कूल के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए हर महीने एसएमसी की बैठक करना जरूरी कर दिया गया है . यह कमेटी बच्चों के स्कूल में दाखिले उनकी उपस्थिति, छात्रों को मिलने वाले लाभों के वितरण, स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था और पीएम पोषण व पीएम श्री जैसी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर पैनी नजर रखेगी . साथ ही कमेटी को वित्तीय अधिकार भी सौंपे जायेंगें . जिसके तहत कमेटियां स्कूल में होने वाले 30 लाख रुपये तक के निर्माण कार्यों की देखरेख कर सकेंगी .

स्कूल छोड़ चुके बच्चों के लिए शुरू होगी शिक्षा घर योजना

8 वीं या उसके बाद पढ़ाई बंद करने वाले युवाओं को मिलेगा मौका

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 25 मई. प्रदेश के स्कूलों में अब ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षा पाने का अवसर फिर से मिलेगा. जिन्होंने कक्षा 8 वीं या उसके बाद फेल होकर पढ़ाई बंद कर दी है.

प्रदेश सरकार ऐसे विद्यार्थियों के लिये जल्द ही शिक्षा घर योजना शुरू करने जा रही है. जिसके तहत प्रदेश के ड्रापआउट रेट को कम करने में भी मदद मिलेगी. बता दें इस योजना में किसी भी वजह से स्कूली शिक्षा पूरी न कर पाने वाले विद्यार्थियों को हाइस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण करने का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा.. योजना का क्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश होगा. जिसमें प्रदेश की सभी ग्राम, पंचायतें और नगरीय निकाय भी शामिल होंगे. योजना का क्रियान्वयन म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा किया जाएगा. बता दें स्कूल शिक्षा विभाग की इस योजना को सरकार से जूरी भी मिल चुकी है. जिसके बाद विभाग ने इस चालू शैक्षणिक सत्र से ही योजना को जमीन पर उतारने की तैयारियां तेज कर दी हैं. वहीं इसमें सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्देश भी दिये गये है. जिसके लिए सभी जरूरी अकादमिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए भी कहा गया है.

इस पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या को कम करना है.

आज होगा आपदा प्रबंधन तैयारियों का मॉक ड्रिल

भोपाल, 25 मई . राजधानी भोपाल में 26 मई मंगलवार को सिविल डिफेंस की ओर से आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन तैयारियों को परखने के लिए विशेष मॉक ड्रिल आयोजित किया जाएगा.

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों की तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाना है.मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजना, आपातकालीन वाहनों की आवाजाही, खोज एवं बचाव गतिविधियां तथा अन्य आपदा प्रबंधन संबंधी कार्यवाहियां दिखाई दे सकती हैं. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह सभी गतिविधियां केवल प्रशिक्षण और तैयारी का हिस्सा हैं. जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी प्रकार की चिंता या भ्रम की स्थिति न बनने दें तथा पूरी तरह निश्चिंत रहें. प्रशासन ने अभ्यास के दौरान संबंधित एजेंसियों द्वारा दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करने और सोशल मीडिया पर अपुष्ट सूचनाएं प्रसारित नहीं करने का आग्रह भी किया है.